कृपया मानव एकता गीत अपनी - अपनी संगतो में सुनायें।

दे रहा है सदाएँ गुरू गुरवचन, सुनना चाहो तो देगी सुनाई तुम्हें
कह रहा है सुनो याद है कि नहीं, मेरे संतो मेरी सिखलाई तुम्हें

मैंने तुमको यह पावन मिशन है दिया, इसकी पावनता हरदम सुरक्षित रहे
रुप रखना है इसका सजाके सदा, इसकी सुंदरता हरदम सुरक्षित रहे
कभी उस राह से तुम भटकना नहीं, संतो मैंने जो राह दिखाई तुम्हें
दे रहा है.... ॥१॥

शादियों के लिए मेरा आदेश था, सादगी से करो कुछ दिखावा न हो
मेरा कहना था संतो नशा ना करो, जिन्दगी में कही भी छलावा न हो
सोचो सोचो जरा दिल से मानी है क्या, मैने जो जो भी बातें बताई तुम्हें
दे रहा है.... ॥२॥

रह न जाये पढाई से वंचित कोई, और उपचार भी सबका आसान हो
काम सन्तो का हरदम यही सोचना, जिस तरह से भी हो जग का कल्याण हो
थाम लो, गिरनेवाले को गिरने न दो, इसलिए तो मिली हैं बडाई तुम्हें
दे रहा है ..... ॥३॥

(तर्जः छोड दे सारी दुनिया किसी के.....)